

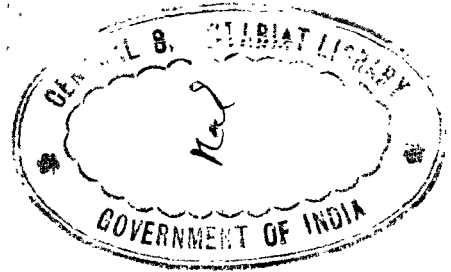


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं 84]
No. 84]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 16, 1995/वैशाख 26, 1917
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 16, 1995/VAISAKHA 26, 1917

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 मई, 1995

विषय : चीन जनवादी गणराज्य से डेड बर्न्ट मैंगनेसाइट (डी बी एम) के आयात के संबंध में प्रति-पाटन जांच की शुरुआत ।

फा.नं. 7/2/94-ए.डी.डी. :- भारतीय मैंगनेसाइट संघ ने सीमा शुल्क टैरिफ (पहचान, आंकलन तथा पाटित वस्तुओं पर प्रति-पाटन शुल्क की वसूली तथा क्षति के निर्धारण हेतु) नियम, 1995 के अन्तर्गत एक याचिका दायर की है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य से डेड बर्न्ट मैंगनेसाइट (डी बी एम) के पाटन का आरोप लगाया गया है ।

2. घरेलू उद्योग :- यह याचिका भारतीय मैंगनेसाइट संघ ई-1, महारानी बाग, नई दिल्ली द्वारा दायर की गई है । याचिका दायर करने वालों ने प्रमाणित किया है कि भारत में डी बी एम के 20 उत्पादक हैं, इनमें से 16 एम ए आई के सदस्य हैं तथा भारत में डी बी एम के कुल

उत्पादन का करीब 71% उत्पादन करते हैं तथा वे इस याचिका का समर्थन कर रहे हैं । इस प्रकार वे उपयुक्त नियमों के तहत घरेलू उद्योग के रूप में स्थिति को पूरा करते हैं ।

3. शामिल उत्पाद :-डेड बर्न्ट मैंगनेसाइट (डी बी एम) प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होने वाला मैंगनेशियम कार्बोनेट है । इसमें एम जी ओ की मात्रा 80% से 90% तक हो सकती है । विचाराधीन डेड बर्न्ट मैंगनेसाइट में 85% से 92% तक एम जी ओ की मात्रा शामिल है । डेड बर्न्ट मैंगनेसाइट का उपयोग दुर्गलनीय उद्योग में आकार वाले या बिना आकार वाले दुर्गलनीय बनाने के लिए किया जाता है जिसका उपयोग इस्पात बनाने और सीमेन्ट उद्योगों में होता है ।

4. पाटन :-याचिकाकर्त्ता ने आरोप लगाया है कि 93-94 के दौरान चीन से 81.46 अमरीकन डालर प्रति एम टी के भारित ग्रीसत सी आई एफ मूल्य पर 19,228 एम टी डेड बर्न्ट मैंगनेसाइट (92% से कम एम जी ओ मात्रा) आयी है । चीन के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था (एन एम ई) देश होने के कारण याचिकाकर्त्ता ने मुझाव दिया है कि या

तो तुर्की को एक सन्दर्भ देश के रूप में माना जाए जैसा कि ई ई सी ने किया था। तुर्की में एक उत्पादक से प्राप्त बीजक के आधार पर उन्होंने कहा है कि तुर्की में घरेलू कीमत 213 अमरीकन डालर प्रति एम टी थी। वैकल्पिक रूप से, भारत को एक प्रतिनिधि देश मानते हुए भारतीय उत्पादन लागत (5800 रु. प्रति एम टी) के आधार पर उन्होंने अधिवारियों से भारत में उचित बिक्री कीमत पर विचार करने का निवेदन किया है। पाटन का प्रत्यक्ष प्रमाण यह है कि चीन की एम ओ बी कीमतें दोनों घरेलू बाजार की कीमतों से कम हैं।

5. क्षति :—5.1 सभी देशों से होने वाले आयात की मात्रा में गिरावट परिलक्षित होती है जो 1992-93 के 85,532 एम टी से घटकर 1993-94 में 72,503 एम टी हो गया। तथापि, पी आर सी का आयात 17,955 एम टी से बढ़कर 40,325 एम टी हो गया है जो कि सकल मात्रा एवं खपत/उत्पादन दोनों रूप से महत्वपूर्ण है।

5.2 चीन की कीमतों में भी भारी गिरावट हुई है जो 1992-93 के 5833 रु. प्रति एम टी औसतन से घटकर 1993-94 में 4487 रु. प्रति एम टी रह गयी।

5.3 93-94 में घरेलू उद्योग के उत्पादन में भारी गिरावट हुई जो 1992-93 के 93,834 एम टी से घटकर 1993-94 में 52,614 एम टी रह गया। बिक्री भी 85,826 रु. से कम होकर 62,185 रु. रह गयी। सम्पत्ति सूची 50,064 से घटकर 40,068 तक कम हो गई। इस कमी को 93-94 में उत्पादन में भारी गिरावट के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना है। रोजगार भी 90-91 के उच्चतम 5687 से घटकर 1993-94 में 4456 रह गया।

5.4 कुल खपत 1992-93 के 171,358 एम टी से घटकर 1993-94 में 134,088 एम टी रह गई, यह गिरावट 21.4% की है। घरेलू उद्योग का हिस्सा 85,826 एम टी से 27.5% घटकर 62,185 एम टी रह गया। इस प्रकार, घरेलू उद्योग ने बाजार का हिस्सा खोया।

5.5 यद्यपि औसत बिक्री प्राप्ति में 5144 प्रति एम टी से 5358 प्रति एम टी की अरुणा मामूली सुधार हुआ पर सकल लाभ योग्यता बदतर होकर 254.26 लाख रु. की हानि से बढ़कर 1395.90 लाख रु. हो गई।

5.6 उत्पादन लागत (भारत औसत) में 5285 से 6902 रु. की भारी वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग इसकी कीमतों को बढ़ाने में समर्थ नहीं हो सका चूंकि चीन से आयातों का जहाज से उतारने के बाद की कीमत 4000 रु. प्रति एम टी से कम थी। इस प्रकार, कीमत प्रतिबंध दमन और दबाव दोनों था।

5.7 इस प्रकार, प्रत्यक्ष पर्याप्त प्रमाण है कि घरेलू उद्योग को आर्थिक हानि हुई है।

5.8 चीन जनवादी गणराज्य से पाटन की सीमा तथा आयात की मात्रा उपर्युक्त नियमों के अनुबंध II के पैरा (iii) में बताए गए "डी मीनीमीस" सीमाओं से उपर है।

6. पाटन रोधी जांच की शुरुआत :—इसलिए, मैं चीन जनवादी गणराज्य से आयात उद्गम किए गए डेड बर्न मैग्नेसाइट के कथित पाटन के अस्तित्व, मात्रा और प्रभाव के बारे में एक जांच की शुरुआत कर रहा हूँ।

7. प्रस्तुत करने की समय सीमा तथा पता :—चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों तथा संबंधित आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है कि वे निर्धारित प्रपत्र तथा तरीके से अपने विचार प्रकट करें जिससे कि वह मेरे पास 26 जून, 1995 तक निम्नांकित पते पर पहुंच जाए :—

डा. वाई. वी. रेड्डी,

प्राधिकृत अधिकारी

तथा

अपर सचिव,

वाणिज्य मंत्रालय

कमरा नं. 243, उद्योग भवन,

नई दिल्ली-110011

भारत

अन्य इच्छुक पक्षों से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त पते पर निर्धारित प्रपत्र में तथा समय सीमा के अन्दर अपना अनुरोध करें। इच्छुक पक्षों से यह भी निवेदन है कि अगर वे अपनी सूचना मौखिक रूप से देना चाहते हैं कि वो प्राधिकृत अधिकारी को सूचित करें।

वाई. वी. रेड्डी,
प्राधिकृत अधिकारी तथा अपर सचिव।

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th May, 1995

Subject: Initiation of anti-dumping investigation concerning the import of Dead Burnt Magnesite (DBM) from the People's Republic of China.

F. No. 7/2/94-ADD.—The Magnesite Association of India has filed a petition alleging dumping of Dead Burnt Magnesite (DBM) from the People's Republic of China as per the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995.

2. Domestic Industry

The Petition has been filed by the Magnesite Association of India, E-1, Maharani Bagh, New Delhi. The petitioner have averred that there are 20 producers of DBM in India, 16 of them are members of the MAI and account for about 71 per cent of the

total production of DBM in India and are supporting the petition. They, therefore, satisfy the standing as domestic industry under the above said rules.

3. Product Involved

Dead Burnt Magnesite (DBM) is a naturally occurring magnesium carbonate. It can have MgO content ranging from 80 per cent to 99 per cent. The Dead Burnt Magnesite under consideration involves MgO content ranging from 85 per cent to 92 per cent. Dead Burnt Magnesite is mainly used in the refractory industry to make formed and unformed refractories which are then used in the Steel making and Cement industries.

4. Dumping

The petitioner have alleged that atleast 19,228 MT of Dead Burnt Magnesite (MgO content less than 92 per cent) has come from China during 1993-94 at a weighted average c.i.f. price of US \$ 81.46 MT. China being a Non-Market Economy (NME), the petitioners have suggested that either Turkey be considered as a reference country as was done by the EEC. They have stated that the domestic price in Turkey was US \$ 213 per MT based on invoice from a producer in Turkey. Alternatively, they have urged the Authority to consider the Fair Selling Price of the product in India based on the Indian cost of production (Rs. 5800 per MT) treating India as a surrogate country. There is prima-facie evidence of dumping as the Chinese FOB prices are below the Home Market Prices derived from both the above alternatives.

5. Injury

5.1 The quantum of imports from all countries shows a decline from 85,532 MT in 1992-93 to 72,503 MT in 1993-94. However, the imports from PRC have increased from 17,955 MT to 40,325 MT which is significant both in terms of absolute volume and relative to consumption/production.

5.2 The Chinese prices have also shown a steep reduction from an average of Rs. 5833 per MT in 1992-93 to Rs. 4487 per MT in 1993-94.

5.3 Production of domestic industry in 1993-94 fell sharply from 93,834 MT in 1992-93 to 52,614 MT in 1993-94. Sales also fell from 85,826 to 62,185. Inventory has come down from 50,064 MT to 40,068 MT. This reduction has to be viewed in the light of the drastic fall in production in 1993-94. Employment has also fallen from a peak of 5687 in 1990-91 to 4456 in 1993-94.

5.4 The total consumption fell from 171,358 MT in 1992-93 to 134,688 MT in 1993-94, a fall of 21.4 per cent. The share of the domestic industry fell from 85,826 MT to 62,185 MT, a fall of 27.5 per cent. Thus, the domestic industry has lost market share.

5.5 The average sales realisation through improved marginally from Rs. 5144 per MT to 5358 per MT, the overall profit ability worsened from a loss of Rs. 254.26 lakhs to a loss of Rs. 1395.90 lakhs.

5.6 Despite a steep increase in the cost of production (weighted average) from Rs. 5285 to Rs. 6902, the domestic industry was not able to raise its prices as the landed price of the imports from China was less than Rs. 4,000 per MT. Thus, there was both price suppression and price depression.

5.7 Thus, prima-facie there is adequate evidence that domestic industry has suffered material injury.

5.8 The margin of dumping and the volume of imports from People's Republic of China are above the "de-minimis" limits laid down in para (iii) of Annexure II of the said Rules.

6. Initiation of Anti-dumping Investigation

I am, therefore, initiating an investigation into the existence, degree and effect of the alleged dumping of Dead Burnt Magnesite originating from the People's Republic of China.

7. Time Limit and Address for making submission

The exporters in the People's Republic of China and importers known to be concerned are being addressed separately to make their views known in the form and manner prescribed so as to reach me by 26th June, 1995 at the following address :

Dr. Y. V. Reddy,
Designated Authority
and
Additional Secretary,
Ministry of Commerce,
Room No. 243,
Udyog Bhavan,
New Delhi-110011
Fax No. 0091-11-3011837
INDIA

Other interested parties are advised to make their submissions relevant to the investigation in the prescribed form and within the time limit at the above address.

The interested parties are also advised to make known the Designated Authority if they wish to present information orally.

Y. V. REDDY, Designated Authority and
Addl. Secy.

